পাঠ 21
পাঠ

পণপ্রথা নিয়ে সাক্ষাৎকার

সুনীতা : নমস্কার, আমি 'সুনন্দা' পত্রিকার পক্ষ থেকে এসেছি।

বিজয়া : নমস্কার, ভেতরে আসুন। আমি জানি আপনাদের পত্রিকার বেশ নাম আছে। বলুন, কি মনে করে এসেছেন?

সুনীতা : আমি আপনার একঁি সাক্ষাৎকার নিতে এসেছি।

বিজয়া : ও! তাম্প নাকি? কিন্তু আমিতো কোন বিখ্যাত কেউ নম্প। আমার সাক্ষাৎকার কেন নিতে চান?

সুনীতা : আপনি তো একঁি পুরনো এবং বিখ্যাত মহিলা সমিতির সঞ্চালিকা হিসেবে পণপ্রথা সম্পর্কে আপনি আপনার মতামত দিয়ে থাকেন। এম্প সম্বন্ধে কিছু তথ্য দিন না।

दहेज प्रथा पर एक साक्षात्कार

सुनीता : नमस्कार, मैं 'सुनन्दा' पत्रिका की ओर से आई हूँ।

विजया : नमस्कार! अंदर आइए। मुझे पता है कि आपलोगों की पत्रिका का बड़ा नाम है। कहिए, कैसे आना हुआ?

सुनीता : मैं आपका एक साक्षात्कार लेने आई हूँ।

विजया : ओह! ऐसा है? लेकिन मैं तो उतनी बड़ी व्यक्ति नहीं हूँ। मेरा साक्षात्कार क्यों लेना चाहती हैं?

सुनीता : आप तो एक पुरानी और मशहूर महिला समिति की संचालिका होने के नाते दहेज प्रथा के संबंध में अपने विचार रखती होंगी। उन विचारों के बारे में जानकारी दे दीजिए न?

বিজয়া : দেখুন, আজকাল বিয়েতে পণ দেওয়া একা সামাজিক কুরীতিতে পরিণত হয়েছে। বাবা মা সবসময় এম্প চিন্তাম্প করেন যে, যদি তারা না থাকেন (মারা যান), তখন তাদের মেয়ের বিয়ে কে দেবে? এম্প কারণেম্প তারা মেয়ের বিয়ে তাড়াতাড়ি দিয়ে দিতে চান। এম্প অবস্থাতে তারা বরপক্ষকে পণ দিতে বাধ্য হন।

সুনীতা : পণপ্রথার বিরুদ্ধে আজকাল মেয়েরা কি ভূমিকা পালন করেছে?

বিজয়া : পণ প্রথার জন্য সমাজে সবাম্পকেম্প কষ্ট ভোগ করতে হয়। এখনও মেয়েরা পরিবারের বোঝা -- বলে মনে করা হয়। বিয়ে না হওয়ার জন্য মেয়েদের মা বাবার সঙ্গেম্প থাকতে হয়। এর ফলে বাবা মায়ের চিন্তাও বেড়ে যায়। বরপক্ষকে তাদের চাহিদা অনুযায়ী পণ না দিতে পারার জন্য তারা মনে মনে দুঃখিত হয়। কিন্তু মেয়েরা এখন এম্প অবস্থা

विजया : देखिए, आजकल शादी में दहेज देना एक सामाजिक कुरीति के रूप में व्याप्त हो गया है। माँ बाप सदा इस बात की चिंता करते रहते हैं कि, यदि हम नहीं रहे (मर गए) तो हमारी लड़कियों का विवाह कौन करवाएगा? इसी कारण से अपनी लड़कियों का विवाह झटपट करना चाहते हैं। इस स्थिति में उन्हें वरपक्ष को दहेज देना ही पड़ता है।

सुनीता : आजकल दहेज प्रथा के विरुद्ध लड़कियाँ क्या भूमिका अदा कर रही हैं?

विजया : दहेज प्रथा के कारण समाज के सभी वर्गों को कष्ट भोगना पड़ रहा है। अब भी लड़कियाँ परिवार पर बोझ मानी जाती हैं। विवाह नहीं हो पाने के कारण उन की माँ बाप के साथ ही रहना पड़ता है। इससे माँ बाप की चिंता भी बढ़ जाती है। वरपक्ष को उनका मन चाहा दहेज नहीं दे पाने के कारण वे मन ही मन दुखी रहते हैं। लेकिन आजकल की लड़कियों ने अब यह स्थिति समझ ली है। उन्होंने दहेज का विरोध करना शुरू कर दिया है। उन को अपने पैरों पर खड़ी होना है। वे ऐसा प्रयत्न कर रही हैं जिससे वे अपने परिवार पर बोझ बन कर न रहें। इसलिए आजकल उनकी शादी भी देरी से हो रही

সম্বন্ধে ওয়াকিবহাল হয়ে গেছে। তারা এখন পণপ্রথার বিরোধ করা শুরু করে দিয়েছে। এদের নিজেদের পায়ে দাঁড়াতে হবে, এরকম চেষ্টা করছে। যাতে তারা পরিবারে আর বোঝা হয়ে না থাকে। এম্পজন্য আজকাল তাদের বিয়েও দেরিতে হচ্ছে।

সুনীতা : একমাত্র অর্থনৈতিক কারণের জন্যম্প কি মেয়েরা বিয়ে করতে চায় না?

বিজয়া : না, কেবল আর্থিক কারণীম্প প্রধান নয়। এর সঙ্গে মর্যাদার প্রশ্নও জড়িত। মেয়েদের কি সবসময় পুরুষদের কথামতোম্প চলতে হবে? আজকাল মেয়েদের অনেক ক্ষেত্রেম্প সামাজিক অন্যায়ের বিরুদ্ধে লড়তে হচ্ছে। সামাজিক অধিকার প্রতিষ্ঠা করতে মেয়েদের এগিয়ে আসা প্রয়োজন। কিছু কিছু ক্ষেত্রে কিছু মেয়ে এগিয়েও এসেছে। জীবিকার জন্যে মেয়েদের এখন ঘরের বাম্পরে বেরিয়ে আসতেম্প হবে। है।

सुनीता : क्या केवल आर्थिक कारणों से ही लड़कियाँ विवाह करने को तैयार नहीं हो रही हैं?

विजया : नहीं। केवल आर्थिक कारण ही मुख्य नहीं है। इसके साथ सम्मान का प्रश्न भी जुड़ा है। लड़कियों को क्या सदा पुरुषों के अनुसार ही चलना होगा? आजकल लड़कियों को अनेक क्षेत्रों में सामाजिक अन्याय के विरुद्ध लड़ना पड़ रहा है। सामाजिक अधिकारों की स्थापना करने के लिए लड़कियों को आगे आने की ज़रूरत है। कुछ लड़कियाँ किसी किसी क्षेत्रों में बहुत आगे भी बढ़ गयी हैं। जीविका के लिए अब लड़कियों को घर से बाहर निकलना ही होगा। इसी से उन्हें नाना प्रकार की समस्याओं का सामना भी करना पड़ रहा है।

सुनीता : अच्छा, इस समस्या के समाधान के बारे में आप के क्या विचार हैं?

विजया : लड़कियों को पहले आत्मनिर्भर होना चाहिए। उसके बाद ही

তাম্প অবশ্য তাদের নানারকম সমস্যার সম্মুখীন হতে হচ্ছে।

সুনীতা : আচ্ছা, এম্প সমস্যার সমাধানের ব্যাপারে আপনি কি ভাবছেন?

বিজয়া : মেয়েদের আগে স্বনির্ভর হওয়া দরকার হবে। তারপরেম্প তাদের বিয়ে করা উচিত। আসলে সমগ্র নারীজাতিকেম্প পণপ্রথার বিরুদ্ধে রুখে দাঁড়াতে হবে। মেয়েরা বাজারের পণ্য নয় -- একথা সকলকে বুঝতে হবে। মেয়েদের এম্প সিদ্ধান্ত নিতে হবে যে, যে বরপক্ষ পণ চাম্পবে তাকে বিয়ে করবে না। তাহলেম্প পণপ্রথার মতো অভিশাপ সমাজ থেকে দূর হতে পারে।

সুনীতা : বাঃ, আপনার মতামত জেনে বেশ ভাল লাগল। আগামী বৈশাখ সংখ্যাতে এম্প সাক্ষাৎকারটি প্রকাশ করবো। তখন আপনাকে এক কপি 'সুনন্দা' পাঠাবো। আজ তাহলে আসি। অনেক ধন্যবাদ। নমস্কার।

उनका विवाह करना उचित है। असल में समग्र नारी जाति को दहेज प्रथा के विरुद्ध खड़ा होना होगा। लड़कियाँ बाज़ार की चीज़ें नहीं हैं। यह बात सबको समझना चाहिए। लड़कियों को ऐसा निर्णय लेना चाहिए कि यदि वरपक्ष दहेज की माँग करें तो वे ऐसे लड़कों से शादी न ही करें। तभी दहेज प्रथा जैसा अभिशाप समाज से दूर हो सकता है।

सुनीता : वाह! आपके विचार जान कर बहुत अच्छा लगा। अगले बैशाख-अंक में यह साक्षात्कार प्रकाशित करूँगी। तब आपको 'सुनंदा' की एक प्रति भेजूँगी। तो आज चलती हूँ। बहुत धन्यवाद। नमस्कार।

विजया : धन्यवाद। नमस्कार।

বিজয়া : ধন্যবাদ। নমস্কার।

শব্দার্থ

শব্দ	অর্থ
পণ	দহেজ
প্রথা	নিয়ম
সাক্ষৎকার	साक्षात्कार
কি মনে করে এসেছেন	कैसे आना हुआ
মতামত	विचार
দেওয়া	देना
মেয়েদের	लड़कियों का
ফলে	फलस्वरूप
বিরুদ্ধে	विरोध में
শ্রেণীর	श्रेणी का
পরিবারে	परिवार में
অর্থনৈতিক	अर्थनैतिक
সংখ্যা	संख्या
বুঝতে	समझना
পায়ে	पैरों पर
কথামতো	कहने के अनुसार
অন্যায়ের	अन्याय का
প্রতিষ্ঠা	प्रतिष्ठा
এগিয়ে	आगे आना
জীবিকার জন্য	जीविका के लिए

ঘরের	घर से
বাম্পরে	बाहर में
বেরোতে	निकलने
হচ্ছে	हो रहा है
সমস্যার	समस्या का
সমাধানের	समाधान के
জাতিকেম্প	जाति को ही
রুখে	विरुद्ध
পণ্য	वस्तु, चीज़
পাঠাবো	भेजूँगी

অভ্যাস

I. নীচে দাগ দেওয়া শব্দের বদলে বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলির ব্যবহার করে নতুন বাক্য গঠন করুন।

1. আপনাকে পড়তে হবে। (লিখতে, শিখতে)
2. তোমাকে নতুন বম্প কিনতে হবে। (আনতে, দিতে)
3. আমাকে রান্না করতে হবে। (গান শিখতে, নাচ শিখতে)
4. তাকে রোজ দু'কিলোমিার হাঁতে হয়। (ছুঁতে, দৌড়তে)
5. তাকে রোজ নিয়ম মতো ব্যায়াম করতে হয়। (সাঁতার কাঁতে, খেলতে)

II. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলির থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

1. আমাকে _____ হবে। (খাওয়া, খেতে, খাব)

2. আপনাকে চিঠি _____ হবে। (লিখতে, লিখুন, লেখেন)

3. আপনি চিঠি _____ । (লিখবেন, লিখলে, লিখতে)

4. আমি বাজারে _____ । (যেতে, যাব, যাওয়া)

5. তোমাকে এম্প কাজটা _____ হবে। (করতে, করা, করে)

III. নীচে দেওয়া বাক্যগুলি উদাহরণ অনুযায়ী পরিবর্তন করুন।

উদাহরণ : আমি পড়ি ⟶ আমাকে পড়তে হবে।

1. আপনি সিনেমা দেখেন।

2. তুমি বম্পটা আন।

3. সে বাজারে যায়।

4. তিনি চাকরি করেন।

5. তারা ভাত খায়।

IV. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলি থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

(যান, যাম্প, যেতে, কাটে, কীতে)

1. রমেশকে রোজ সাঁতার _____ হয়।

2. সে রোজ সাঁতার _____ ।

3. আমি রোজ বাজার _____ ।

4. আমাকে রোজ বাজারে _____ হয়।

5. তিনি বাজারে _____ ।

V. উপযুক্ত শব্দ দিয়ে বাক্যগুলি পূর্ণ করুন।

1. আমাকে রোজ স্কুলে _____ _____ ।

2. আপনাকে আগামীকাল কলকাতা _____ _____ ।

3. উপায় না দেখে গতকাল তাকে _____ _____।

4. তোমাকে বম্পা _____ _____।

5. তাকে জিনিসা _____ _____।

6. এত চিন্তার কী আছে, তিনি তোমায় _____ _____।

7. আমরা সবাম্প নৈনিতাল _____ _____।

8. রোজ সারাদিনে অন্তত পাঁচ লিার জল _____ _____।

9. বর্ষাকালে সারাদিন ধরে বৃষ্টি হয়, তাম্প সবসময় ছাতা নিয়ে _____ _____ ।

10. বয়স বাড়ার সাথে সবাম্পকেম্প কিছু না কিছু দায়িত্ব _____ _____ _____।

পড়ে বুঝুন

শিক্ষায় শক্তি শিक्षा में बल

দেশের জনশক্তিকে ঠিকমতো কাজে লাগাতে হলে জনসাধারণকে শিক্ষিত করে তুলতে হবে। বহু সরকারী প্রচেষ্টা সফল হতে পারে না, কারণ জনসাধারণের সেম্প প্রচেষ্টার সঙ্গে কোনো যোগ থাকে না। আর ঐা হয় জনসাধারণ শিক্ষিত নয় বলে। শিক্ষা মানে শুধু অক্ষর জ্ঞান বা অঙ্ক পড়ানোম্প নয় জনসাধারণকে এমনভাবে শিক্ষিত করে তুলতে হবে যাতে তাদের কুসংস্কার দূর হয়। তাদের মধ্যে বিচক্ষণ মানসিকতা আনতে হবে। নতুনকে গ্রহণ করার মতো মানসিকতা সৃষ্টি যাতে হয় তা দেখতে হবে। জন শিক্ষার কথা বললে প্রথমেম্প আসে নারীশিক্ষার কথা। মেয়েদের জন্যে শিক্ষার ব্যবস্থা করতে হবে। মেয়েরা ঠিকমতো শিক্ষা পেলে ভবিষ্যৎ বংশধরেরাও শিক্ষিত হবে। এর জন্যে প্রকৃত পরিকল্পনা দরকার। সাক্ষরতা অভিযান আমাদের দেশে আরম্ভ হয়েছে। এক একি জেলায় নিরক্ষরতা সম্পূর্ণ দূর হচ্ছে, ঐা খুবম্প ভাল লক্ষণ। কিন্তু এম্প সঙ্গে কুসংস্কার দূর করার ব্যবস্থা করতে হবে। রাজনৈতিক সচেতনতা আনতে হবে। এম্প সবের জন্য চাম্প বিচক্ষণ মানসিকতা।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
জনশক্তি	जनशक्ति
জনসাধারণকে	जनसाधारण को
শিক্ষিত	शिक्षित
বহু	बहुत
প্রচেষ্টা	प्रचेष्टा
সফল	सफल
অক্ষর	अक्षर
জ্ঞান	ज्ञान
অঙ্কের	अंक का
বিচক্ষণ	विलक्षण
বংশধরেরাও	वंशज भी
পরিকল্পনা	परिकल्पना
সাক্ষরতা	साक्षरता
অভিযান	अभियान
নিরক্ষরতা	निरक्षरता

অভ্যাস

I. নীচে দেওয়া প্রশ্নের উত্তর লিখুন।

1. দেশের জনশক্তিকে কাজে লাগাতে হলে প্রথমে কি করতে হবে?

2. বহু সরকারী প্রচেষ্টা সফল হয় না কেন?

3. জনশিক্ষার উদ্দেশ্য কি হওয়া উচিত?

4. নারীশিক্ষার ফলে কি হয়?

5. সাক্ষরতার সঙ্গে আর কি করতে হবে?

II. অনুচ্ছেদটি পড়ে এমন পাঁচটি শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির বিস্তৃত অর্থ নিচে দেওয়া হয়েছে।

বর্তমানে, যুব সমাজ নিজের প্রতিষ্ঠা নিয়ে খুবস্প সচেতন। নিজেদের মর্যাদা নিয়ে তারা এত বেশি সচেতন যে অল্প বয়সেস্প তারা আর পিতামাতার গলগ্রহ হয়ে থাকতে চায় না। তাস্প তারা জীবিকা নির্ভর লেখাপড়ার দিকেস্প ঝুঁকছে। সুতরাং তারা এখন জ্ঞান অর্জনের দিকে দৃষ্টি দিতে চাস্পছে না। তারা প্রথম থেকেস্প নিজেদের জীবনের পরিকল্পনা করে নেয়। তাস্প আজকাল প্রকৃত জ্ঞানী অপেক্ষা শিক্ষিতের সংখ্যা বেশি।

বিস্তৃত অর্থ :

1. জীবনধারণের জন্য উপায়।
2. সজাগ, ওয়াকিবহাল।
3. যে ব্যক্তির শিক্ষা আছে।
4. আগে থেকে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়া।
5. জীবনে সসম্মানে স্থাপনা লাভ করা।
6. পরের ওপর নির্ভরশীল।

III. অনুচ্ছেদটি পড়ে এমন পাঁচ জোড়া শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি একে অপরের বিপরীত শব্দ।

সমাজের অন্যতম সমস্যা হলো জাতিভেদ প্রথা। পূর্বে, উচ্চবর্ণের মানুষ নিম্ন বর্ণের মানুষদের অমর্যাদাপূর্ণ দৃষ্টিতে দেখত। এর ফলে নিম্নবর্ণের বা অনুন্নতশীল মানুষদের পিছিয়ে পড়তে হয়। তবে বর্তমানে তারা যথেষ্ট সচেতন হয়েছে। তারা ন্যায়ের পথ ধরে অন্যায়ের বিরুদ্ধে লড়াম্প করতে শিখেছে। অবশ্য বর্তমানে সরকারও তাদের যথেষ্ট সুযোগ দিচ্ছেন। সেম্প সুযোগ তারা পূর্বে নিতে চায়নি। তবে বর্তমানে সেম্প সুযোগ নেওয়ায় তারাও যথেষ্ট উন্নতশীল হয়েছে এবং এগিয়ে এসেছে। এখন তারা যুগের সাথে পাল্লা দিতে সক্ষম হয়েছে। এম্পভাবেম্প এম্প সামাজিক সমস্যার সমাধান হচ্ছে।

IV. হিন্দিতে অনুবাদ করুন।

নারীজাতিকে সঠিকভাবে মর্যাদা দিতে হলে তাদের ঘোমা্র আড়াল থেকে শিক্ষার আলোয় বার করে আনতে হবে। তাদের যথার্থ শিক্ষিত ও জ্ঞানী করে তুলতে হবে। নারীদের নিজেদেরও মর্যাদা ও সম্মান সম্বন্ধে সচেতন হতে হবে। তাদের পোষাকে আধুনিকতা দেখালেম্প চলবে না। তাদের মানসিকতাও আধুনিক করতে হবে। তাদের কুসংস্কার ত্যাগ করতে হবে এবং যুগের সঙ্গে পাল্লা দিতে হবে। তাদের চিন্তাধারা, কুসংস্কারমুক্ত আধুনিক মানসিকতার হতে হবে। নারীকে কেবল নিজের শক্তিতে সচেতন হলেম্প চলবে না, তাদের দেশের গতিপ্রকৃতি ও উন্নতি নিয়েও ভাবতে হবে। তাদের দেশের উন্নয়নেও এগিয়ে আসতে হয় নানান ক্ষেত্রে। যেমন নারীদের রাজনৈতিক, প্রশাসনিক ক্ষেত্রে এগিয়ে আসতে হবে। দেশের নারীর সংখ্যা অনুপাতে মাত্র কয়েকজনম্প এম্প ক্ষেত্রের সাথে জড়িত কিন্তু আরো অনেক মহিলাকে এগিয়ে আসতে হবে। নাহলে, শুধু মাত্র মহিলারাম্প পিছিয়ে পড়বে না, দেশকেও পিছিয়ে পড়তে হবে। কারণ, দেশের বৃহৎ অংশে মেয়েরাও আছে। আজকাল, অবশ্য অনেক মেয়েরাম্প এগিয়ে আসছে। তারাও নিজেদের মর্যাদা সম্বন্ধে যথেষ্ট সচেতন হয়েছে এবং সর্বক্ষেত্রেম্প তারা যোগদান করছে। তবে আমাদের দেশ মেয়েদের কাছ থেকে আরো কিছু আশা করছে।

V. बंगला में अनुवाद कीजिए।

संस्मरण

उर्मिला

जीवन में कुछ क्षण ऐसे भी आते हैं जो संस्मरण बन कर स्मृति पटल पर सदा अंकित रहते हैं। ऐसा ही एक संस्मरण मेरे शहर मनासा का भी है।

मेरे नगर मनासा में एक मोहल्ला है जिसका नाम है "बुशवाह मोहल्ला"। यह एक किसानी मोहल्ला है। इसी मोहल्ले में एक परिवार रहता है। मोहन बुशवाह इस परिवार के मुखिया थे। मोहन जी की कुल पाँच संतानों में दो बेटे और तीन बेटियाँ। उर्मिला सब से बड़ी बेटी। मोहन बुशवाह ने अपनी आर्थिक तंगी के बावजूद भी अपनी पाँचों संतानों के पढ़ाने का अपना संकल्प डिगने नहीं दिया।

उर्मिला बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा थी। इसी बीच उसकी सगाई खंडवा क्षेत्र के एक सजातीय लड़के से हो गई। उर्मिला चाहती थी कि, पढ़ाई पूरी हो जाने के पश्चात ही उसका विवाह हो। यह बात उसने अपनी माँ से कही। उर्मिला की माँ भले ही पढ़ी लिखी नहीं थी किंतु वह पढ़ाई का महत्व समझती थी। उसके मायके में सब पढ़े लिखे थे। उसके समय लड़कियों को पढ़ाने का रिवाज़ नहीं था। यह टिस उर्मिला की माँ के मन में सदा रहती थी। इसलिए उसने उर्मिला के मन की बात का महत्व समझ कर लड़के वालों के यहाँ इस आशय का समाचार अपने पति के माध्यम से भिजवाया। लेकिन लड़के वालों ने उत्तर में कहलवाया, "यदि उर्मिला चाहे तो विवाह के बाद वह अपनी पढ़ाई पूरी कर सकेगी। इसपर आपलोग सहमत नहीं हो तो फिर हमें विवश होकर सगाई तोड़कर अपने बेटे का संबंध कहीं और करना पड़ेगा।"

वरपक्ष का यह उत्तर जानकर उर्मिला का मन बहुत दुखी हो गया। उसके माँ-बाप की चिंता बढ़ गई। मज़बूर होकर उन्होंने विवाह के लिए सहमती दे दी। निर्धारित तिथि पर बारात आ गई। बारात का खूब स्वागत किया गया। समय मुहूर्त पर वर तोरण इस पर आ पहुँचा। तोरण पर वरमाला से पूर्व लड़के के मित्रों ने उर्मिला के पिता से कहा, "वरमाला की रस्म से पहले एक स्कूटर, एक रंगीन टी.वी., एक फ्रिज और दस हज़ार रुपये नगद वराचार में देने होंगे। तभी वरमाला हो पाएगी।" वरके मित्रों का यह प्रस्ताव सुनते ही उर्मिला के पिता अबाक रह गए। उर्मिला की माँ ने यह बात सुना तो वह बेहोश हो गई। अब क्या होगा? मेहंदी हल्दी लगी लड़की की दुर्दशा की कल्पना मात्र से सब तरफ़ मायूसी छा गई। मोहन जी ने वर के पिता से बात की। वर के पिता ने कहा "मैं क्या कह सकता हूँ? आजके लड़के किसी की बात नहीं सुनते।" मोहन जी ने समझाया कि, सगाई के समय तो दहेज में लेन-देन की ऐसी कोई बात नहीं हुई थी। फिर भी हम अपनी हैसियत के मान से जितना दे रहे हैं वह सामाजिक परम्परा से अधिक ही है। वर के पिता तो रससे मस नहीं हुए। वे बोले तबकी बात और थी। अभी की और है। उर्मिला यह जानकर बहुत दुखी हो उठा। उसने अपने माँ बाप की स्थिति देखकर तत्काल निर्णय लिया। वर और उसके बीच केवल एक कदम की दूरी। दोनों के हाथों में वरमाला। बीच में केवल झीना सा पर्दा। उर्मिला

ने अपने हाथ से बीच का पर्दा हटा दिया। वह आगे बढ़ी और अपने वर से पूछा -- "दहेज का निर्णय आपका अपना है या आपके दोस्तों का?"

वर ने साफ-साफ कह दिया "मांग का फैसला किसी का भी हो यह मांग तो आपलोगों को पूरी करना ही पड़ेगी। तभी वरमाला की रस्म पूरी हो सकेगी।" उर्मिला ने वर को एक बार फिर समझाने का प्रयत्न किया -- "देखिए आपके सभी मित्र तो शराब के नशे में हैं। आप तो होश में हैं। आपने निर्णय पर एकबार ठंडे मन से सोचिए। वर तो बहुत ज़िद्दी निकला। उसने कहा, मांग पूरी करने पर ही वरमाला होगी।" वर की यह उत्तर सुनकर उर्मिला की आँखें लाल उठीं। "यदि नहीं हुई तो आप क्या करेंगे। तनिक वह भी बता दीजिए।"

वर ने आँखें मटका कर कहा "बारात वापस लौटा ले जाऊँगी।" उर्मिला ने वर के वाक्य को बीच में झपट लिया। "तो फिर आप यही कीजिए। आप फौरन बारात वापस लौटा ले जाइए।" ऐसा कहते ही वह तोरण द्वार छोड़ कर वापस घर में लौट गई।

उर्मिला से ऐसे निर्णय की आशा किसी को भी नहीं थी। माँ बाप ने व अन्य रिश्तेदारों ने उसे खूब समझाया। उर्मिला अपने निर्णय से नहीं डिगी। अंत में वरपक्ष बिना दहेज लिए ही वरमाला के लिए तैयार हो गया। लेकिन उर्मिला अपने फैसले पर दृढ़ रही।

बारात को बिना विवाह के वापस लौटना पड़ा। इसके बाद उर्मिला ने अपनी पढ़ाई जारी रखी। बाद में वह एक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदस्थ हुई। इस घटना ने मोहल्ले की ही नहीं पूरे क्षेत्र की लड़कियों को बहुत प्रेरणा दी। उर्मिला आज भी स्त्री जाति के लिए प्रेरणा स्रोत है। उसका एक हँसता खेलता सुसंस्कृत परिवार है। सब उसका सम्मान करते हैं।

I. সামাজিক সমস্যা হিসাবে 'কুসংস্কার' সম্বন্ধে একটি অনুচ্ছেদ (৩০টি বাক্য) লিখুন।

टिप्पणियाँ

I. इस पाठ में इस प्रकार के वाक्यों का प्रयोग किया गया है, जिसमें कर्ता के ऊपर किसी कार्य की बाध्यता होती है। ऐसे वाक्यों में हिंदी के समान ही बंगला में भी कर्ता में कर्म (द्वितीया) विभक्ति लगती है। इन वाक्यों में दो क्रियाएँ होती हैं। एक मूल क्रिया और दूसरी सहायक क्रिया 'হ' (ह) - (होना) मुख्य क्रिया असमापिका क्रिया के रूप में प्रयुक्त होती है और 'হো' (हो) - (होना) क्रिया आवश्यकतानुसार सभी कालों में प्रयुक्त होती है, किन्तु रहती सदा अन्य पुरुष एक वचन में ही। जैसे :

মেয়েদের নিজেদের পায়ে দাঁড়াতে হবে।	लड़कियों को अपने पैरों पर खड़े होना है/खड़े होना चाहिए।

পরিবেশ দূষণের জন্য সমাজের সব মানুষকে ভুগতে হয়।	पर्यावरण के प्रदूषण का प्रभाव सबको भुगतना है।

ऐसे बंगला वाक्यों के अर्थ हिंदी वाक्य संरचनाओं में लाने के लिए 'पड़ना' या 'होना' क्रियाएँ प्रयोग कर सकते हैं।

II. उपर्युक्त वाक्यों को निषेधात्मक बनाने के लिए 'है' क्रिया के बाद 'ना' (ना) लगाया जाता है।

মেয়েদের বাবা-মায়ের গলগ্রহ হয়ে থাকতে হবে না।	लड़कियों को हमेशा अपने माता पिता पर बोझ बनकर नहीं रहना है।
পরিবেশ দূষণের প্রভাব সমাজের সব মানুষকে ভুগতে হয় না।	पर्यावरण के प्रदूषण का प्रभाव सबको नहीं भुगतना है।

ਪਾਠ 22
पाठ

সাক্ষরতা অভিযানের উদ্দেশ্যে একটি সভা

সভাপতি : যখন আমরা বয়স্ক শিক্ষাকেন্দ্র প্রথম শুরু করি, তখন আমাদের সদস্য সংখ্যা ছিল মোট আটজন। আজ পাঁচ বছর পরে আমাদের সদস্যের সংখ্যা বেড়ে দাঁড়িয়েছে বাষট্টিজন। আমাদের এলাকায় আমরা তিনটি শিক্ষাকেন্দ্র স্থাপন করেছি।

১ম সদস্য: কিন্তু পাশের গ্রাম রঘুনাথপুরে এম্প পাঁচ বছরে সাক্ষরতার হার তুলনায় অনেক বেড়েছে। যে লক্ষ্যে পৌছবার কথা আমরা কি সেম্প লক্ষ্যে পৌছতে পেরেছি।

সভাপতি : আমাদের সাক্ষরতার হার প্রায় সত্তর শতাংশ। এটা কম মনে হতে পারে। কিন্তু যারা আমাদের এখান থেকে শিক্ষালাভ করেছে তারা সামাজিক উন্নতি সম্পর্কে যথেষ্ট সচেতন।

साक्षरता अभियान के लिए एक सभा

सभापति: जब हमने प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र पहले शुरु किया था तब हमारे सदस्यों की कुल संख्या केवल आठ ही थी। आज पाँच साल के बाद हमारे सदस्यों की संख्या बढ़कर बासठ हो गई है। अपने इलाके में हमने तीन शिक्षा केन्द्र स्थापित किए हैं।

पहला : किंतु पास के गाँव रघुनाथपुर में

सदस्य इन पाँच वर्षों में साक्षरता की दर तुलनात्मक दृष्टि से बहुत बढ़ गयी है। जिस लक्ष्य तक पँहुचने की हमारी संकल्प था क्या हम वहाँ तक पहुँच पाए हैं?

सभापति: हमारी साक्षरता की दर ७०% हैं। यह कम लग सकती है। किंतु जिन्होंने हमारे यहाँ से शिक्षा प्राप्त कर उन्नति की है वे समाज के विषय में बहुत जागरूक हैं।

২য় সদস্য: আমরা যত বেশী শিক্ষা কেন্দ্র খুলতে পারব তত বেশী লোক সাক্ষর হতে পারবে।

সভাপতি : নতুন কেন্দ্র খুলতে হলে আমাদের সদস্যের সংখ্যা বাড়াতে হবে। সেম্প সঙ্গে বাড়াতে হবে শিক্ষকের সংখ্যাও। যে অনুপাতে কেন্দ্র বাড়বে সেম্প অনুপাতে অর্থের ব্যবস্থা করতে হবে। এর জন্য সকলকেম্প উদ্যোগী হতে হবে। বিশেষ করে অর্থ সংগ্রহের জন্য সকলকে সক্রিয় হতে হবে।

৩য় সদস্য: আমার একটা প্রস্তাব আছে। যাদের জন্যে সাক্ষরতার এম্প কর্মসূচী তাদেরকেও আমাদের এম্প অভিযানে সামিল করা চাম্প। তাতে দুটো লাভ হবে। অর্থের ব্যবস্থাও হবে আর তারা এম্প কাজটা নিজেদের বলেম্প মনে করবে।

১ম সদস্য: অর্থের ব্যবস্থা কি করে হবে?

৩য় সদস্য: যে সব সংস্থার কাছ থেকে

दूसरा सदस्य : हम जितने अधिक शिक्षा केंद्र खोलेंगे उतने ही अधिक लोग साक्षर हो सकेंगे।

सभापति: नये केंद्र खोलने के लिए हमें अपने सदस्योंकी संख्या बढ़ानी होगी। साथ ही शिक्षकों की संख्या भी बढ़ानी होगी। जिस अनुपात में केंद्र बढ़ेंगे उसी अनुपात में अर्थ की व्यवस्था भी करनी पड़ेगी। इसके लिए सभी को प्रयत्न करना पड़ेगा। विशेष रूप से धन संग्रह के लिए सभी को सक्रिय रहना होगा।

तीसरा सदस्य : मेरा एक प्रस्ताव है। जिनके लिए साक्षरता की यह कार्यसूची है उनको भी हमें इस अभियान में शामिल करना चाहिए। इससे दो लाभ होंगे। धन की भी व्यवस्था होगी और वे लोग भी इसे अपना ही काम जानने लगेंगे।

प्रथम सदस्य : धन की व्यवस्था कैसे होगी?

तीसरा सदस्य : जिन संस्थाओं से हमारा शिक्षाकेंद्रों अनुदान पाता है, उन सब संस्थाओं में हमें साक्षरता का

আমাদের শিক্ষাকেন্দ্র অনুদান পাচ্ছে সেম্পসব সংস্থায় আমাদের সাক্ষর করতে কিছু শিক্ষক নিয়োগ করতে হবে। তাদের পাওয়া বেতন থেকে কিছু াকা চাঁদা হিসাবে সংগ্রহ করে কেন্দ্রের কাজে লাগানো হবে।

১ম সদস্য : এম্প প্রস্তাবে কি সকলে রাজী হবেন?

সভাপতি : নিশ্চয় হবেন। যত াকা ওরা পাবেন তার খুব সামান্য অংশ চাঁদা হিসাবে নিলে কারোর আপত্তি থাকবে না। এখন আর আলোচনা নয়। আগামী রবিবার সব সদস্যের কাছে এম্প প্রস্তাব রাখা হবে। তাহলে আজকের সভা শেষ করা যাক।

प्रसार करने के लिए कुछ शिक्षकों की नियुक्ति करनी होगी। उनके दिए गए वेतन में से कुछ रुपए चंदा प्राप्त कर उसे साक्षरता केंद्रों में लगाना होगा।

पहला सदस्य : क्या इस प्रस्ताव पर सभी लोग सहमत होंगे?

सभापति : ज़रूर होंगे। जितने रुपये उनको मिलेंगे उसका कुछ भाग चंदे के रूप में लेने पर किसी को आपत्ति नहीं होगी। अब और विचार विमर्श नहीं करना है। अगले रविवार सभी सदस्यों के सामने यह प्रस्ताव रखा जाएगा। तो आज की सभा समाप्त की जाए।

শব্দার্থ

শব্দ	अर्थ
সাক্ষরতা	साक्षरता

সদস্য	सदस्य
সক্রিয়	सक्रिय
বাষট্টি	बासठ
পাশের	पास के
বেড়েছে	बढ़ा है
লক্ষ্যে	लक्ष्य में
পৌঁছবার	पहुँचने की
সত্তর	सत्तर
শতাংশ	शतांश
যারা	जो लोग
শিক্ষালাভ	शिक्षालाभ
সাক্ষর	साक्षर
বাড়াতে	बढ़ाना
শিক্ষকের	शिक्षक का
অনুপাতে	अनुपात में
অর্থের	अर्थ का
সংগ্রহের	संग्रह का
যাদের	जिसके लिए
কর্মসূচী	कार्यसूची
তাদেরকে	उन लोगों को
আমাদের	हम लोगों को
সংস্থার	संस्था का
অনুদান	अनुदान
নিয়োগ করা	नियुक्त करना
	सामान्य

সামান্য আপত্তি

আপত্তি

অভ্যাস

I. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলি থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

1. যিনি এসেছিলেন _____ আমার বন্ধু। (তিনি, সে তারা)
2. যাকে এম্প বম্পা দেবো ভেবেছিলাম _____ দেখতে পেলাম না। (তার, তিনি, তাকে)
3. যেদিন বৃষ্টি হয় _____ ঠাণ্ডা পড়ে। (সে, সেদিন, দিনে)
4. যে এসেছিল _____ আমি চিনি না। (সে, তার, তাকে)
5. যার কথা ভাবছিলাম _____ এসেছে। (সে, তার, তাকে)

II. বন্ধনীতে দেওয়া শব্দগুলির থেকে উপযুক্ত শব্দ বেছে নিয়ে বাক্যগুলি সম্পূর্ণ করুন।

(তাদের, ততক্ষণ, ততগুলো, তত, সে)

1. যে প্রথমে আসবে _____ ঐা পাবে।
2. যতগুলো আপেল আপনি চান _____ নিতে পারেন।
3. যতক্ষণ দাঁড়িয়ে থাকবেন _____ কষ্ট পাবেন।
4. রাস্তায় যে ছেলেগুলো খেলছে _____ সবাম্পকে আমি চিনি না।
5. মেয়েরি যতরূপ _____ গুণ।

III. উদাহরণ অনাসারে দুটি বাক্যকে একটি বাক্যে পরিণত করুন।

উদাহরণ : ও আসছে। ও আমার বন্ধু।

যে আসছে সে আমার বন্ধু।

1. এম্প বম্পগুলো দেখছেন। এগুলো লাম্পব্রেরী থেকে এনেছি।
2. ঐ লোকটি কাজ করছে। লোকটির ভাল স্বভাব।
3. ঐটা বিশ্ববিদ্যালয়ের খেলার মাঠ। আমি এখানে ব্যাডমিন্টন খেলি।
4. ওনাকে কাগজটা পাঠিয়েছিলাম। উনি আমার শিক্ষক।
5. বৃষ্টি পড়বে। গাছগুলি ভাল হবে।

IV. উপযুক্ত শব্দ দিয়ে নিচের বাক্যগুলি পূর্ণ করুন।

1. যাকে দেখেছেন _____ চিনতে পারবেন?
2. যত পড়বেন _____ শিখবেন।
3. যে গানটা শুনলাম _____ খুব সুন্দর।
4. আমার কাছে _____ আসে তদের আমি ফেরাম্প না।
5. তিনি _____ গেছেন সেখানেম্প অভিনন্দিত হয়েছেন।

V. অনুচ্ছেদটি পড়ে এমন পাঁচটি শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলির বিস্তৃত অর্থ নিচে দেওয়া হয়েছে।

দেববাবু একজন আদর্শ শিক্ষক। তিনি নানা স্থানে ঘুরে ঘুরে গরীব ছাত্র সংগ্রহ করেন এবং তাদের শিক্ষা দেন। যদিও ছাত্রদের এক অংশের পিতামাতা আপত্তি করেন। কিন্তু তাও তাকে কেউ তার কাজ থেকে বিরত করতে পারে না, এম্প শিক্ষার কাজে তিনি নিজেকে নিয়োগ করেছেন।

বিস্তৃত অর্থ :

1. শিক্ষা দান করেন যিনি।
2. খণ্ড।
3. নিযুক্ত করা।
4. অমত করা।
5. একত্রিত করা।

VI. অনুচ্ছেদটি পড়ে এমন পাঁচ জোড়া শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি একে অপরের বিপরীত শব্দ।

আমাদের দেশের নিরক্ষরতা দূর করতে হলে, প্রথমেপ্প একটি লক্ষ্য স্থির করে নিতে হবে। তারপর সমস্ত শিক্ষিত মানুষকেপ্প সক্রিয় হতে হবে। প্রতিটি শিক্ষিত মানুষকেপ্প সক্রিয় হতে হয়। প্রতিটি শিক্ষিত মানুষ যদি প্রতি একটি নিরক্ষর মানুষকে সাক্ষর করতে পারে, তবে সাক্ষরতার হারপ্প শুধু বাড়বে না, দেশের মানুষের মধ্যে সচেতনাও বাড়বে। এপ্প কাজে কারোর আপত্তি থাকা উচিৎ নয়। তাপ্প যারা অলক্ষ্যে ছিলেন তারাও সহযোগিতা করতে এগিয়ে এসেছেন। এখন আর নিষ্ক্রিয় হয়ে থাকার দিন আর নেপ্প। এপ্পভাবেপ্প ধীরে ধীরে নিরক্ষরতার হার কমবে।

পড়ে বুঝুন

কন্যাকুমারী ভ্রমণ কন্যাকুমারী ভ্রমণ

কন্যাকুমারীর সমুদ্রের ধারে বেড়াতে খুব ভাল লাগে। যে দিকে তাকানো যাক না কেন, শুধু জল আর জল। আমরা যেদিন বেড়াতে গিয়েছিলাম, সেদিন ছিল পূর্ণিমা।

পূর্ণিমার রাতে সমুদ্রের ধারে বালি চিক্ চিক্ করছিল। কন্যাকুমারীতে তিনঁি সমুদ্র --- বঙ্গোপসাগর, আরব সাগর ও ভারত মহাসাগর এক সঙ্গে মিশেছে। কন্যাকুমারী ভারতবর্ষের শেষ প্রান্তে এম্প কথা মনে হলেম্প অদ্ভুত অনুভূতি হয়। সমুদ্রের ধারে যতক্ষণ দাঁড়িয়ে ছিলাম ততক্ষণ ভারতবর্ষের মানচিত্র মনে পড়ছিল। আর মনে পড়ছিল তাঁদের কথা, যাঁরা এম্প ভারতবর্ষের স্বাধীনতার জন্য প্রাণ দিয়েছিলেন। এম্প কন্যাকুমারীতে সমুদ্রে সাঁতার কেটে স্বামী বিবেকানন্দ একঁি শিলার ওপর উঠেছিলেন এবং সেখানে ধ্যান করেছিলেন। যে শিলার ওপর তিনি ধ্যান করেছিলেন, সেম্প শিলার নাম বিবেকানন্দ শিলা। এখন সেখানে একঁি সুন্দর স্মৃতি মন্দির তৈরী হয়েছে। ছৌ লঞ্চে করে সেখানে যাওয়ার ব্যবস্থা আছে। আমি অনেকবার কন্যাকুমারী গিয়েছি। যতবার গিয়েছি ততবারম্প এম্প একম্প অনুভূতি হয়েছে।

শব্দার্থ

শব্দ	অর্থ
সমুদ্রের	समुद्र का
পূর্ণিমা	पूर्णिमा
বালি	बालु
মিশেছে	मिला है
অদ্ভুত	अद्‌भूत
অনুভূতি	अनुभूति
যতক্ষণ	जितनी देर
ততক্ষণ	उतनी देर
স্বাধীনতা	स्वतंत्रता का
সাঁতার	तैरना

যতবার	জিতনা বার
ধ্যান	ধ্যান

অভ্যাস

I. নীচের দেওয়া প্রশ্নের উত্তর লিখুন।

1. লেখক যেদিন বেড়াতে গিয়েছিলেন সেদিন কি ছিল?
2. কন্যাকুমারীতে কোন্ কোন্ সমুদ্র এক সঙ্গে মিশেছে?
3. সমুদ্রের ধারে যখন লেখক দাঁড়িয়ে ছিলেন তখন তাঁর কি মনে হচ্ছিল?
4. স্বামী বিবেকানন্দ কন্যাকুমারীতে কোথায় ধ্যান করেছিলেন?
5. স্বামী বিবেকানন্দ যেখানে ধ্যান করেছিলেন সেখানে কেমন করে গিয়েছিলেন?

II. অনুচ্ছেদটি পড়ে পাঁচজোড়া এমন শব্দ খুঁজে বার করুন যেগুলি সমার্থক শব্দ।

আমরা সবাই মিলে একবার সমুদ্র দেখতে গিয়েছিলাম। যেখানে গিয়ে আমরা খুব মুগ্ধ হয়েছিলাম। সেখানে একদিকে সাগর আর একদিকে বিরাট পাললিক শিলার একটি পাহাড়। সমুদ্রের দিকে তাকালে শুধু নীল আর নীল, মনে হয় আকাশ আর সমুদ্র এক জায়গায় মিলেছে। আমরা সমুদ্রের প্রান্তেই একটা পাথরের বাড়ীতে ছিলাম। জায়গাটা খুব সুন্দর, কারণ এখানে এখনও পর্যটকের দৃষ্টি পড়েনি।

III. হিন্দীতে অনুবাদ করুন।

কারো পক্ষেই কোনো কাজ করা অসম্ভব নয়। যদি কেউ চায় তবে সে সবরকম অসম্ভবই সম্ভব করতে পারে। যতক্ষণ পর্যন্ত কারোর মধ্যে কিছু করার মত আশা আকাঙ্খা থাকে ততক্ষণই সে যে কোনো প্রতিকূল পরিবেশে বেঁচে থাকতে পারে। যারা জীবনের সবরকম আশা ত্যাগ করে হতাশ হয়ে যায়, তারাই জীবনযুদ্ধে পরাজিত হয়ে যায়। তাই বাংলায় একটি

প্রবাদশ্প আছে, যতক্ষণ শ্বাস, ততক্ষণ আশ। অর্থাৎ যতক্ষণ শ্বাস চলবে, ততক্ষণশ্প আশা থাকবে। জীবনে কেউ একবার অসফল হলে, যদি সব আশা ত্যাগ করে হতাশাগ্রস্থ হয়ে পড়ে, তবে সে কখনশ্প এগোতে পারবে না। সকল হতাশা কাঁয়িে যে কাজ করা হয় সৌা সফল হবেশ্প। তাশ্প সকল প্রতিকূল অবস্থার সঙ্গে লড়াশ্প করার মত ক্ষমতা ও মানসিক শক্তির দরকার তবে যা চাওয়া যায় তাশ্প পাওয়া যাবে।

IV. বাংলায় অনুবাদ করুন।

निरक्षरता का अभिशाप

यदि साक्षरता वरदान है तो निरक्षरता अभिशाप है। समाज सेवा के क्षेत्र में निरक्षर जनों को साक्षर करना सब से प्रमुख कार्य है। यदि हम किसी को अपने प्रयत्नों से साक्षर करते हैं अथवा साक्षरता की प्रेरणा देते हैं तो वह हमारा काम सब से बड़ा उपकार का काम होगा।

साक्षरता के क्षेत्र में हम जितना अधिक प्रयत्न करेंगे उसका प्रतिफल भी उतना ही अच्छा व सार्थक प्राप्त होगा। विशेषकर कन्या साक्षरता पर ध्यान देना बहुत आवश्यक है। हम जितना प्रयास कन्या के साक्षरता के लिए कर सकें उतना करना ही चाहिए।

यदि कन्याएँ साक्षर होंगी तो समग्र समाज साक्षर हो पाएगा। कन्या दो परिवारों को साक्षर कर सकती है। पहला अपने माँ-बाप का परिवार दूसरा अपना परिवार। इसप्रकार पूरे समाज में साक्षरता का प्रसार हो सकेगा।

ऐसे कइ उदाहरण हैं जिनसे हमें निरक्षरता से होने वाले नुक्सानों का पता चलता है। कल्पना कीजिए आपको बस से यात्रा करना है और आप निरक्षर हैं तब आपकी कठिनाइ बहुत बढ़ जाएगी। आप अपनी अभीष्ट बस के लिए लोगों से पूछते फिरेंगे। हो सकता है उस पूछताछ में आपकी बस रवाना हो जाए और आप उसका पता लगाने में ही लगे रहें। तब आप पछताने के सिवा क्या कर पाएँगे? शायद तब आप को ऐसा लगे कि, निरक्षरता बहुत बड़ा अभिशाप है। आपका कहीं से पत्र आया है और आप उसे पढ़ नहीं पा रहे। जब तक कोई साक्षर नहीं मिल जाता तब तक आप पत्र का समाचार जानने के लिए व्याकुल रहेंगे। हो सकता है पत्र का समाचार बहुत तत्काल वाला हो। आप को उसका पता चले तब तक बहुत देर हो चुकी हो।

एक पहलवान का उदाहरण आप जान लें तो आपको पता चल जाएगा कि, निरक्षरता से बड़ा कोई अभिशाप नहीं हो सकता। एक बार एक पहलवान घोड़े पर बैठकर यात्रा कर

रहा था। उसे एक कुश्ती मुकाबले में भाग लेना था। मार्ग में उसे एक कुँआ दिखा। उसे जोर से प्यास लगी थी। कुँए पर एक तख्ती लगी थी। जिस पर लिखा था --

"इस कुँए का पानी जहरीला है। पीना मना है।"

पहलवान पूरी तरह निरक्षर था। वह तख्ती पर लिखी सूचना नहीं पढ़ पाया। उसने कुँए से पानी निकालकर जी भर के पानी पी लिया।

पानी पीकर वह फिर से घोड़े पर बैठकर चल पड़ा। थोड़ी दूर जाने पर उसके पेट में भयंकर पीड़ा होने लगी। वह घोड़े से नीचे उतर कर धरती पर लेट गया। पीड़ा से उसकी हालत खराब होने लगी। संयोग से कुछ यात्री वहीं से गुजरे जिन्होंने उसकी दशा देखकर उसे पास के गाँव पहुँचाया। वहाँ एक हकीम (वैद्य) ने उसका उपचार कर उसके प्राण बचाए। वह मरते-मरते बचा। उसे कुश्ती के मुकाबले से भी वंचित होना पड़ा। अब आप समझ गए न, कि निरक्षरता मनुष्य के लिए कितना बड़ा अभिशाप है।

V. 'শিশুশ্রমের বিরুদ্ধে প্রতিবাদ' কতা প্রয়োজন সে বিষয়ে একি অনুচ্ছেদ রচনা করুন।

टिप्पणियाँ

इस पाठ में हिंदी के जो-सो रूप जैसे अन्योऽन्याश्रित वाक्यों का परिचय दिया गया है। ऐसे वाक्यों में दो उपवाक्य होते हैं। जिनमें से पहले प्रकार के उपवाक्यों में जो / जब / जहाँ आदि का प्रयोग होता है तथा दूसरों में वह / तब / वहाँ आदि का। नीचे ऐसे कुछ वाक्य दिए गए हैं।

(क) व्याक्तिवाचक

যে রান্না করে সে অন্য কাজও করে।
जो खाना पकाती है वह और भी काम करती है।

যারা এখানে এসেছিল তারা সবাশ্প আমাদের পরিচিত।
जितने सब यहाँ आए थे उतने सब हमारे परिचित हैं।

(ख) वस्तुवाचक

যা চাশ্পবেন তাশ্প পাবেন।
जो चाहिए वही मिलेगा।

যৌা ওকে দিলাম সৌা ওর পছন্দ নয়।

जो उसको (मैंने) दिया वह उसे पसंद नहीं।

(ग) स्थानवाचक

যেখানে আপনি যাবেন সেখানে আমিও যাব।
जहाँ आप जाएँगे वहाँ मैं भी जाऊँगी।

যেখানকার কথা আপনি বলছেন সেখানকার কথা আমি আগে শুনিনি।
जिस जगह के बारे में आप कह रहे हैं उस जगह के बारे में मैंने पहले नहीं सुना है।

(ग) समयवाचक

যখন আপনি বাজারে যাবেন তখন আমিও যাব।
जब आप बाज़ार जाएँगे तब मैं भी जाऊँगी।

যতক্ষণ আপনার স্পচ্ছা ততক্ষণ এখানে থাকুন।
जितने समय आपका मन चाहे उतने समय आप यहाँ रहिए।

ध्यान रहे कि इस प्रकार के उपवाक्य विशेषण के रूप में भी प्रयुक्त होते हैं। जैसे :

যে লোকটা আজ আমার কাছে এসেছিল সে লোকটা ভাল গান জানে।
जो आदमी आज मेरे पास आया था, वह आदमी अच्छा गाना गाता है।